

Title: Regarding alleged misbehaviour of a Member of Parliament during proceedings of the House.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): उपाध्यक्ष महोदय जी, आज सदन में एक बहुत ही दुःखदायी घटना घटी। आदरणीय जसवंत सिंह जी, मेरे बहुत ही वरिष्ठ सहयोगी हैं और इस सदन के वरिष्ठतम सांसदों में उनकी गणना होती है। वे जब भी अपनी बात कहने के लिए खड़े होते हैं, बहुत ही शांतिनता से अपनी बात रखते हैं। वे कभी भाषा का संयम नहीं खोते हैं और कभी आक्रामक नहीं होते हैं। वे जिस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, उससे संबंधित एक प्रश्न उन्होंने आज शून्य पृष्ठ में उठाया और सुझाव के रूप में एक बात रखी कि जो लिपक्षीय वार्ता गोरखा जन मुक्ति मोर्चा, राज्य सरकार और केन्द्रीय सरकार के बीच चल रही है, लगता है कि वह राजनीतिक संवाद ध्वस्त हो गया है। ...**(व्यवधान)** वह संवाद पुनः प्रारंभ होना चाहिए। मात्र इतनी बात उन्होंने कही। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की और कर भी नहीं सकते क्योंकि उनकी नेता के साथ उनके बहुत स्नेहिल संबंध भी हैं। उन्होंने केवल अपनी बात सुझाव के रूप में रखी।...**(व्यवधान)** मुझे नहीं मालूम हमारे तृणमूल कांग्रेस के साथी उस पर क्यों उत्तेजित हो गए। हो भी सकते हैं। वे यह कह सकते थे कि हम उनके सुझाव से असहमत हैं। वे यह भी कह सकते थे कि हमें उनका सुझाव अमान्य है। वहां तक भी ठीक था। ...**(व्यवधान)** लेकिन मुझे समझ नहीं आया कि उनके एक साथी सांसद जिनसे मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं, श्री कल्याण बनर्जी, पहली बार आए हैं, जुझारू सांसद हैं, लेकिन वे गुरु से मैं आपा खो बैठे और ऐसी हिंसक मुद्रा में इस तरफ बढ़े जैसे जसवंत सिंह जी को मारेंगे।...**(व्यवधान)** उपाध्यक्ष जी, मैं कहना चाहती हूं कि कल्याण जी का आचरण केवल अशोभनीय ही नहीं था, संसद की गरिमा के विपरीत भी था। मैं यहां खड़े होकर कह सकती हूं कि उनकी नेता को भी वह पसंद नहीं आया होगा। Ms. Mamata Banerjee will never endorse that behaviour of yours towards Jaswant Singhji. इसलिए मैं आपसे कहना चाहती हूं कि कल्याण दा, आप एक बार खड़े होकर अपने उस आचरण के लिए खेद व्यक्त कर दीजिए। जसवंत सिंह जी जैसे सम्मानित सांसद के प्रति आपका वह आचरण शोभा नहीं देता। उसके बाद सदन चले।

कल भी एक घटना घटी थी जब डा. जोशी के साथ अभद्र व्यवहार किया गया था। मंत्री जी तक ने खड़े होकर अपना शब्द वापिस ले लिया था और संसद चली थी। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि आप खड़े हों और जो आचरण आपने जसवंत सिंह जी के प्रति किया, उसके लिए खेद प्रकट करें और उसके बाद सदन चले। यह मेरी आपसे दख्खवास्त है, यह मेरा आपसे निवेदन है।

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): Mr. Deputy Speaker Sir, it is such a national issue. â€ (Interruptions) He has raised it in a very casual way at the time of Zero Hour. It is a very burning issue in West Bengal. It is going on. Is this the way such casually it can be raised? ...**(Interruptions)** Madam, I must tell you that immediately after this issue, I communicated it to my leader. And my leader has not disapproved my behaviour because I am fighting for my State. I will go on fighting. ...**(Interruptions)** If anybody wants to divide the State to create a separate State of Gorkhaland, directly or indirectly, for his interest or Party's interest, we are not going to tolerate it and we would go till the end to fight for united West Bengal. Any Member, whether it is Senior Member or anyone, if his sentiment is hurt, I regret. ...**(Interruptions)**

At the same time, I would like to tell you that we are not going to compromise with the issue of Gorkhaland. If anybody directly or indirectly tries to bifurcate West Bengal, we will not allow. Sushma ji, I consider you as my elder sister. I had communicated to my leader and my leader has not disapproved my behaviour because the way things are going on and the attempts are going on to break West Bengal, we are not going to allow. ...**(Interruptions)**

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: He has expressed the regret. The matter is over.